an>

Title: Need to set up 'Bundelkhand Pashudhan Vikas Board' in Bundelkhand region.

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर) ः बुंदेलखण्ड सहित देश में हरे और सूखे चारे की कमी के बावजूद भी भारत विश्व में दुग्ध उत्पादन में अग्रणी है और पशु आधारित अर्थव्यवस्था का जी.डी.पी. में 4 प्रतिशत का योगदान है। देश में पशुओं के इस योगदान और दुधारू पशुओं विशेषकर गाय के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को देखते हुए बुंदेलखण्ड में पशुओं विशेषकर गाय की स्थिति गंभीर है। पशुओं के लिए पानी और चारा-भूसा का उचित प्रबंध नहीं है और चरने के लिए चारागाहों की विशेष कमी है तथा यह समस्या सूखे की स्थिति में और भी विकराल हो जाती है।

वर्तमान सरकार ने किसानों की आय को दोगुना करने का जो संकल्प लिया है वह पशुओं के लिए पानी और चारे-भूसे के उचित प्रबंध के बिना प्राप्त नहीं किया जा सकता। बुंदेलखण्ड में कृषि के साथ वैकल्पिक रोजगार के रूप में पशुपालन विकास ही एकमात्र उपाय है। परन्तु मेरे संसदीय क्षेत्र हमीरपुर सहित पूरे बुंदेलखण्ड में पालतू पशुओं के लिए पानी और चारे-भूसे की व्यवस्था करना ही एक गंभीर समस्या है। किसान पशुओं के लिए चारे का प्रबंध नहीं कर पाते हैं और उनको खुला छोड़ देते हैं।

अतः मेरा भारत सरकार से यह निवेदन है कि "बुंदेलखण्ड पशु धन विकास बोर्ड " की स्थापना की जाए और आगामी 5 वर्षों तक और किसान की आय को दोगुना होने तक किसानों को पशुओं हेतु नःशुल्क पौष्टिक हरा चारा और भूसा प्रदान किया जाए तथा बड़े चारागाहों का निर्माण बुन्देलखण्ड में किया जाए।